साप्ताहिक
बुलंद गोंदिया
खबरों का आईना
प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**
E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**

इमारत से गिरने से व्यक्ति की मौत

गोंदिया-इमारत पर काम करते समय एक 35 साल का व्यक्ति अचानक गिर गया. उसे गंभीर हालत में हॉस्पिटल ले जाया गया. हालांकि, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. यह घटना सोमवार को गोंदिया ग्रामीण थाने की सीमा में फुलचुर नाका के पास हुई. मृतक की पहचान चंदकिशोर सूरजलाल रहांगडाले के रूप में हुई है.

वर्ष : 6 | अंक : 40 गोंदिया : गुरुवार, दि. 14 मई से 20 मई 2026 पृष्ठ : 4

जनता के प्रलंबित जनहित के मुद्दों का त्वरित समाधान करें -विभागीय आयुक्त विजयलक्ष्मी बिदरी

गोंदिया जिले में विकास कार्यों की समीक्षा

बुलंद गोंदिया। नागपुर संभाग की विभागीय आयुक्त विजयलक्ष्मी बिदारी गोंदिया जिले के दौरे पर थीं। इस दौरे के दौरान, उन्होंने जनता से जुड़े प्रलंबित मुद्दों का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित इस बैठक में जिलाधिकारी डॉ. मंगेश गोंदावले, मुख्य कार्यकारी अधिकारी एम. मुरुगनाथन, उप वन संरक्षक पवन कुमार जोंग, निवासी उपजिलाधिकारी भय्यासाहेब बेहेरे, उपजिलाधिकारी मानसी पाटिल, तथा विभिन्न विभागों के प्रमुख उपस्थित थे। बैठक के दौरान, जिले में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की व्यापक समीक्षा की गई। लंबित प्रशासनिक मामलों, कृषि-संबंधी योजनाओं की वर्तमान स्थिति, ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों, जल आपूर्ति योजनाओं के कार्यान्वयन, स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने और रोजगार सृजन के अवसरों जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस अवसर पर मार्गदर्शन देते हुए, विभागीय आयुक्त विजयलक्ष्मी बिदारी ने जिला प्रशासन के कार्यों की गति तेज करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करना चाहिए, ताकि जनता से जुड़े लंबित मुद्दों का त्वरित समाधान हो सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

45 हजार की रिश्वत लेते जिप.के क्लर्क को एसीबी ने किया गिरफ्तार

बुलंद गोंदिया। गोंदिया जिला परिषद के वित्त विभाग में कार्यरत कनिष्ठ लिपिक संदेश सांभरे को 45हजार की रिश्वत लेते हुए सोमवार 11 मई को एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता जिला परिषद शिक्षा विभाग का सेवानिवृत कर्मचारी है जिसके सेवानिवृत्ति के पश्चात पेंशन व सेवानिवृत्ति के कागजात तैयार करने के लिए लेखा विभाग के कनिष्ठ लिपिक सांभरेके पास आवेदन दिया था। जिसमें 7 मई को आरोपी संदेशसांभरे द्वारा शिकायतकर्ता के सेवानिवृत्ति के कागज जल्द से जल्द तैयार करके देने के लिए वह उपरोक्त प्रकरण में फिक्सेशन बराबर ना होने के चलते 1,92000 की शिकायतकर्ता पर रिकवरी निकल रही है ऐसा कहते हुए रिकवरी बचाने के नाम पर 50000 के रिश्वत की मांग की थी, किंतु शिकायतकर्ता द्वारा रिश्वत न देने की इच्छा लेकर सोमवार 11 मई को गोंदिया एंटी करप्शन ब्यूरो में इसकी शिकायत की थी इसके पश्चात 11 मई की दोपहर के बाद जिला परिषद कार्यालय में आरोपी को शिकायतकर्ता से 45000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया।

ऑपरेशन नार्कोस - रेलवे सुरक्षा बल ने दो अलग कार्रवाई कर 34 लाख रुपए का मादक पदार्थ गांजा जप्त कर चार तस्करो को किया गिरफ्तार

बुलंद गोंदिया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे सुरक्षा बल नागपुर मंडल द्वारा ट्रेनों में मादक पदार्थ की तस्करी को रोकने के लिए ऑपरेशन नार्कोस चलाया जा रहा है इसी के अंतर्गत दो अलग-अलग कार्रवाई कर चार अंतर्राज्यीय तस्करो को गिरफ्तार कर 34 ला ख रुपए से अधिक का मादक पदार्थ गांजा जप्त किया।

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल द्वारा ऑपरेशन नार्कोस के अंतर्गत मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। दीप चंद्र आर्य, मंडल सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल, द.पू.म. रेलवे, नागपुर के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में राज्य पुलिस तथा अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर रेलगाड़ियों के माध्यम से प्रतिबंधित मादक पदार्थ, शराब एवं तंबाकू उत्पादों के अवैध परिवहन में संलिप्त आरोपियों की धरपकड़ हेतु विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है।

इसी अभियान में दिनांक 08.मई 2026 को आरपीएफ नागपुर मंडल की विशेष टीम द्वारा गाड़ी संख्या 12880 भुवनेश्वर-एलटीटी एक्सप्रेस के जनरल कोच में सालेकसा से गोंदिया के मध्य चेकिंग अभियान चलाया गया। जांच के दौरान दो संदिग्ध व्यक्तियों क्रमशः (1) रॉकी कुमार, निवासी रामपुर ताराडीह, थाना आमस, जिला गया (बिहार) एवं (2) सनातन भोई, निवासी टीआरएल क्वार्टर नंबर 72, टाइप-च, थाना बेलपहाड़, जिला झारसुगुड़ा (उड़ीसा) को दो ट्रॉली बैग में लगभग 16.374 किलोग्राम गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत 8,18,700 रुपये है, का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया। आवश्यक वैधानिक कार्रवाई उपरांत आरोपियों एवं जब्त संपत्ति को जीआरपी गोंदिया को सुपुर्द किया गया, जहां उनके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई।

इसके पश्चात दूसरी कार्यवाही दिनांक 09.मई 2026 को प्रभारी निरीक्षक गोंदिया के निर्देशन में मंडल टास्क टीम द्वारा गाड़ी संख्या 12843 पुरी-अहमदाबाद एक्सप्रेस में गोंदिया से नागपुर के मध्य विशेष जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान कन्हान से नागपुर के मध्य एसी कोच-1 की बर्थ संख्या 40 पर यात्रा कर रहे दो संदिग्ध व्यक्तियों के पास रखे दो पिट्ठू बैग एवं दो ट्रॉली बैग की जांच की गई। संदेह होने पर नागपुर स्टेशन आगमन पर जीआरपी के एनडीपीएस डॉग सिकंदर की सहायता से जांच की गई, जिसमें बैगों में गांजा होने की पुष्टि हुई।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान (1) श्रीहर्ष मोहंती, निवासी न्यू हरिधाम सोसायटी, थाना उधना, जिला सूरत (गुजरात) एवं (2) सिपुन गौड़ा, निवासी रोडशाही बुरझरी, नूवागांव, जिला गंजम (उड़ीसा) के रूप में हुई। आरोपियों के कब्जे से कुल 52.04 किलोग्राम गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत 26,02,000 रुपये है, बरामद किया गया। साथ ही 02 आईफोन मोबाइल, 01 वन प्लस मोबाइल एवं अन्य सामग्री भी जब्त की गई। आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूर्ण कर आरोपियों एवं जब्त सामग्री को जीआरपी इतवारी को सुपुर्द किया गया, जहां उनके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की गई।

रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल यात्रियों से अपील करता है कि रेलगाड़ियों, रेलवे स्टेशन एवं स्टेशन परिसर में कोई संदिग्ध व्यक्ति, गतिविधि अथवा लावारिस सामान दिखाई देने पर तत्काल रेलवे सुरक्षा बल, गाड़ी में तैनात रेलवे स्टाफ, टीटीई अथवा रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर सूचना दें, ताकि इस प्रकार की अवैध एवं प्रतिबंधित गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

कड़े से मारकर किया घायल, मामला दर्ज

गोंदिया-डुग्गीपार थाने के तहत डोंगरगांव/खड़की निवासी फिर्यादी अश्विन झालू फुल्झुके (23) कोदामेली फाटे के पास पहुंचा. जहां उसे लोगों की भीड़ दिखने से वह रुक गया. जहां वडेगांव निवासी आरोपी हर्ष गजभिये (22) उसके पास आया व तु ही एम्बुलेंस का चालक है, घायल को ले जाने के लिए एम्बुलेंस देरी से लाया, ऐसा कहते हुए गालीगलौज की व हाथ के कड़े से मारकर घायल कर दिया. फिर्यादी की शिकायत पर डुग्गीपार पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

सहायक धर्मादाय आयुक्त कार्यालय में डेढ़ माह से प्रभारी अधिकारी नदारत जिले के नागरिकों को हो रही परेशानी

बुलंद गोंदिया। गोंदिया के सहायक धर्मादाय आयुक्त कार्यालय में तत्कालीन सहायक धर्मादाय आयुक्त दिशा पजाई के निलंबन के पश्चात भंडारा की सहायक धर्मादाय आयुक्त नीलिमा मालोदे को प्रभार दिया गया था लेकिन डेढ़ माह से कार्यालय में नहीं आने से जिले के नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गौरतलब है की सहायक धर्मादाय आयुक्त कार्यालय में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं का पंजीयन का कार्य किया जाता है जिसके लिए जिले के दूरदराज के क्षेत्र से नागरिक अपने कार्य के लिए जय स्तंभ चौक नई प्रसासकीय इमारत में स्थित सहायक धर्मादाय आयुक्त कार्यालय में आते हैं। फरवरी माह में गोंदिया की सहायक धर्मादायआयुक्त दिशा पजाई को उनके गैर व्यवहार के चलते निलंबित किया गया था जिसके पश्चात भंडारा की सहायक धर्मादाय आयुक्त नीलिमा मालोदे को गोंदिया का अतिरिक्त प्रभार सोपा गया था। मार्च माह में कुछ दिन आने के पश्चात गत डेढ़ माह से नीलिमा मालोदे के गोंदिया कार्यालय में नहीं आने के चलते जिले के नागरिकों को उनके कार्यों के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

कर्मचारियों का का अभद्र व्यवहार सहायक धर्मादाय आयुक्त कार्यालय में कार्यरत अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा आने वाले नागरिको से अभद्र व्यवहार कर सही तरीके से जानकारी नहीं दी जाती है, यदि अधिकारी को आना नहीं होता तो वह तारीख जल्द जल्द क्यों देते हैं इस पर नागरिकों द्वारा सवाल उठाए जा रहा है इसके साथ ही जब यहां पर आने वाले नागरिकों द्वारा अधिकारी के नहीं आने की बात की जाती है तो उनसे अभद्र व्यवहार किया जाता है।

नागरिकों को आर्थिक व समय का नुकसान गोंदिया जिले में दूर दराज चिचगढ़, सालेकसा, देवरी, अर्जुनी मोरगांव जैसे क्षेत्रों से भजन मंडल, सामाजिक संस्थाओं व अन्य कार्यों के पंजीयन व रिन्यूअल के लिए आने वाले नागरिकों का आर्थिक नुकसान होने के साथ ही समय का भी नुकसान हो रहा है जिससे उनमें आक्रोश निर्माण हो रहा।

तारीख पर तारीख

सहायक धर्मोदय आयुक्त कार्यालय में आने वाले नागरिकों को उनके कार्यों के लिए कार्यालय में उपस्थित अधिकारियों द्वारा सिर्फ तारीख पर तारीख दी जा रही है किंतु उनका काम नहीं होना हो रहा है जिसके चलते उन्हें आए दिन कार्यालय के चक्कर काटना पड़ रहा। अधिकारी से संपर्क नहीं भंडारा की सहायक धर्मादाय आयुक्त नीलिमा मालोदे जिनके भंडारा कार्यालय के नंबर पर संपर्क किए जाने पर किसी भी प्रकार का संपर्क नहीं हो पाया।

बाघ के हमले में वृद्ध महिला की मौत सड़क अर्जुनी तहसील में दूसरे दिन फिर घटित हुई घटना

बुलंद गोंदिया। (संवाददाता अर्जुनी मोरगांव) - अर्जुनी मोरगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले बड़ेगांव बंध्या जंगल परिसर में 10 मई की सुबह तेंदूपत्ता संकलन के लिए गई वृद्ध महिला कौशल्या हरिदास रहाटे उम्र 65 वर्ष पर बाघ ने हमला कर दिया इस हमले में महिला की घटना स्थल पर ही मौत हो गई. उल्लेखनीय की अर्जुनी मोरगांव तहसील में दूसरे दिन भी बाघ के हमले की घटना घटित हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अर्जुनी मोरगांव तहसील के गोठनगांव वनपरीक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वन क्षेत्र वडेगाव बंद्या कक्ष क्रमांक 282 में बड़ेगांव निवासी महिला कौशल्या हरिदास रहाटे उम्र 65 वर्ष यह अपनी बहू के साथ तेंदूपत्ता संकलन के लिए गई हुई थी इसी दौरान जंगल में छुपकर बैठे बाघ ने उसे पर हमला कर दिया। इस हमले में उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई उपरोक्त मामला 10मई की सुबह 9.00 के दौरान सामने आयी ।मृतक महिला गत महा ही आंगनबाड़ी मददनिस के पद से सेवानिवृत हुई थी ।उल्लेखनीय है कि 2 दिन में अलग-अलग क्षेत्र में महिलाओं पर बाघ के हमले की घटना सामने आई है 9 मई को बोंडगाव /सुरबन में तेंदूपत्ता संकलन के लिए गई महिला पर बाघ ने हमला कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया था तथा दूसरे दिन भी फिर से बाघ के हमले की घटना घटित होते ही परिसर में वन विभाग के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया जा रहा है. कुछ दिनों पूर्व धाबे टेकड़ी आदर्श में भी बाघ के हमले में 6 वर्षीय बालक की मौत हो गई थी। तहसील में बड़े वन्यजीवों के हमले अर्जुनी मोरगांव तहसील के अंतर्गत संरक्षित वन क्षेत्र से लगे ग्रामो वह बफर क्षेत्र में आए दिन वन्यजीवों के हमले में बढ़ोतरी हो रही है। जिसमें प्रतिदिन कहीं ना कहीं मानव वह पालतू पशुओं पर वन्य जीव हमला कर रहे हैं जिससे मानव वन्य जीव संघर्ष बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। कुछ स्थानों पर बाघ व तेंदुए के हमले होने से संपूर्ण क्षेत्र के नागरिकों में भय निर्माण हो गया है। मृतक महिला के परिजनों को तत्काल वन विभाग द्वारा शासकीय मदद देने तथा वन्य प्राणियों से सुरक्षा की मांग तहसील के नागरिकों द्वारा की जा रही है।

बंदर के हमले में जख्मी महिला की उपचार के दौरान मौत

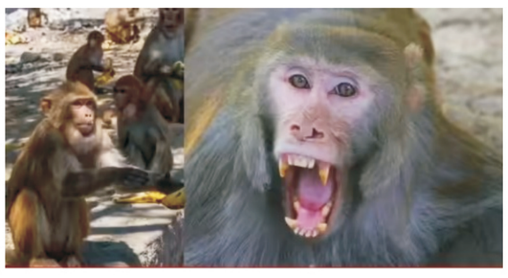

बुलंद गोंदिया। गोंदिया जिले के तिरोडा तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम कवलेवाड़ा निवासी महिला राधनबाई बिसेन उम्र 65 वर्ष पर बंदर ने हमला कर दिया था जिससे वह जमीन पर गिर कर गंभीर रूप से जख्मी हो गई थी। जिसे उपचार के लिए चिकित्सालय में दाखिल कराया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार तिरोडा तहसील के कवलेवाड़ा ग्राम निवासी महिला राधनबाई बिसेन उम्र 65 वर्ष शनिवार 9 मई की सुबह 6.00 बजे के दौरान घर के लिए पानी लाने बाहर निकली थी तो उसके घर के सामने बंदरों का झुंड जमा था, जिसे भागने पर झुंड के एक बंदर ने उसे पर हमला कर दिया इस हमले में महिला जमीन पर गिर गई जिससे उसके सिर पर गंभीर चोट आई वह खून बहने लगा। जख्मी महिला को उपचार के लिए तिरोडा के एक निजी चिकित्सालय में दाखिल कराया गया लेकिन स्थिति में सुधार न होने के चलते आगे के उपचार के लिए गोंदिया के एक निजी चिकित्सालय में दाखिल किया गया जहां उपचार के दौरान रविवार 10 मई को उसकी मौत हो गई। उपरोक्त प्रकरण में तिरोडा पुलिस द्वारा आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की।

श्री रविशंकर के जन्मदिवस के अवसर पर PHC आमगाँव में मरीजों को फल वितरण

बुलंद गोंदिया। आर्ट ऑफ़ लिविंग के संस्थापक गुरुदेव श्री रविशंकर जी के जन्मदिन के अवसर पर पीएचसी आमगांव में आर्ट ऑफ़ लिविंग परिवार द्वारा फल वितरण किया गया। इस सेवा कार्य के अवसर पर आर्ट ऑफ लिविंग परिवार आमगाँवके घनश्याम अग्रवाल, शरद फुंडे , राजकुमार असाटी, जेएस बोरकर, संजय बहेकार, रविंद्र येटरे,मस्के वह क्राष्ट हॉस्पिटल के डॉ. कटरे, मुनेश्वर ,दलाल ,पारधी मैडम वह कर्मचारियों की उपस्थिति थी। विशेष यह की मानव सेवा व जनकल्याण के इस पुनीत कार्य के माध्यम से गुरुदेव के सेवा प्रेम और करुणा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

9 मई को सभी ज़िला अदालतों में राष्ट्रीय लोक अदालत

बुलंद गोंदिया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (सुप्रीम कोर्ट) और महाराष्ट्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के अनुसार, ज़िला विधि सेवा प्राधिकरण, गोंदिया द्वारा 9 मई को पूरे ज़िले की सभी अदालतों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया है। इस लोक अदालत का संचालन ज़िला विधि सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष और प्रभारी प्रधान ज़िला एवं सत्र न्यायाधीश ए. एस. प्रतिनिधि के मार्गदर्शन में किया जाएगा। कानूनी विवादों में शामिल पक्षों से आग्रह किया जाता है कि वे इस लोक अदालत का लाभ उठाकर अपने लंबित मामलों और मुक़दमे से पहले के मामलों को आपसी समझौते के माध्यम से सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाएँ। राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंकों और वित्तीय संस्थानों से जुड़े दीवानी मामले, समझौता योग्य आपराधिक मामले, मोटर दुर्घटना मुआवज़ा दावे, भूमि अधिग्रहण मामले, राजस्व से संबंधित मामले, वैवाहिक और पारिवारिक विवाद, तथा वसूली के मामले सुने जाएँगे। लोक अदालत के दौरान, पक्षों को न्यायाधीशों, कानूनी विशेषज्ञों और समाजसेवियों के एक पैनल से मार्गदर्शन और सहायता प्राप्त होगी। इस प्रक्रिया में भाग लेने के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। इसके अलावा, चूंकि लोक अदालत में दिए गए निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होते हैं, इसलिए यह मंच लंबी और पारंपरिक न्यायिक प्रक्रिया से बचते हुए, त्वरित, सुलभ और किफायती न्याय सुनिश्चित करने में सहायक होता है।

संपादकिय...

'पेपर लीक' का माफिया कौन?

एक बार फिर 'पेपरलीक' और करीब 23 लाख युवा बच्चों का भविष्य अधर में, अंधकारपूर्ण और अनिश्चितज! 'नीट' का पेपर लीक हुआ है। अभ्यर्थी युवाओं में कई होनहार, विशेषज्ञ डॉक्टर बन सकते थे! जिंदगियां बचा सकते थे! घर-परिवार की आर्थिक स्थितियां बेहतर कर सकते थे! मां-बाप के कर्ज चुकता कर सकते थे! लेकिन एक माफिया, संगठित गिरोह, पैसे के हवसी, संवेदनहीन साजिशकार इस देश में सक्रिय हैं, जो युवा पीढ़ी को बार-बार निराश, हताश कर रहे हैं। उनकी उम्मीदें छीन रहे हैं। विडंबना यह है कि बीते सालों में 70 बार या अधिक पेपरलीक कराए गए हैं, कुछ 'काली भेड़ें' जेल में हो सकती हैं, लेकिन सरगना बेखौफ, बेलगाम षड्यंत्र रच रहे हैं। आज तक न तो सीबीआई और न ही सरकारों की अन्य एजेंसियां इस नापाक नेटवर्क के 'माफिया' को तय नहीं कर पाई हैं। बेशक सीबीआई देश की प्रमुख जांच एजेंसी है। कानून में सजा कितनी है-3, 4, 5 अथवा 10 साल तक। किसको सजा दी गई? किस पर 1 करोड़ रुपए का जुर्माना ठोंका गया? किस पर स्थायी पाबंदी लगाई गई? इन सवालों के जवाब तो केंद्रीय शिक्षा मंत्री को देने चाहिए। हकीकत यह है कि यह शर्मनाक, देशद्रोही धंधा आज हजारों करोड़ रुपए का बताया जा रहा है। क्या इन साजिशकारों के घरों में युवा बच्चे नहीं हैं? वे भी डॉक्टर, इंजीनियर बनना चाहते होंगे! शायद उनके साथ ऐसे हादसे नहीं हुए या उनके बच्चे भी पेपरलीक के जरिए पास हो गए होंगे! पेपरलीक का धंधा तो शाश्वत लगता है हमें! भारत जैसे विराट, सम्मानित और विश्व-गुरु की खुशफहमी पाले देश के लिए ये करतूतें, हरकतें, युवा पीढ़ी के सपनों को चकनाचूर करने वाली 'माफियागीरी' शर्मनाक ही नहीं, बल्कि इसका दमन भी आतंकवाद, नक्सलवाद की तरह किया जाना चाहिए। दरअसल मौजूदा शिक्षा मंत्री नालायक हैं, शिक्षा मंत्रालय नकारा, भ्रष्ट है और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) बार-बार साबित हो रही है कि वह पारदर्शी, ईमानदार, लीक-मुक्त परीक्षाएं कराने के लायक ही नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी बेहद जागरूक और पारदर्शी नेता हैं, ऐसे निकम्मेपन के खिलाफ माने जाते रहे हैं, लिहाजा मौजूदा व्यवस्था को पूरी तरह बदलें। अंततः युवा पीढ़ी और जनता को सडक़ों पर बिछ कर जन-आंदोलन खड़ा करना पड़ेगा। यह सिर्फ 23 लाख बच्चों के भविष्य का ही नहीं, बल्कि 23 लाख परिवारों के भविष्य पर आघात किया गया है। अधिकांश बच्चे गरीब या निम्न मध्यवर्गीय होते हैं। जिन बच्चों के लिए 10-28 लाख रुपए में लीक वाले प्रश्नपत्र खरीदे जाते हैं, उस जमात को छोड़ दीजिए। दरअसल वे ही पेपरलीक के धंधे के थोक-ग्राहक हैं, लिहाजा इस शर्मनाक धंधे के सह-भागीदार हैं। हमने चार दशक से अधिक की पत्रकारिता के दौरान पेपर और भ्रष्टाचार के मामले देखे हैं, कवर किए हैं। नकदी के बंडलों के लेन-देन देखे हैं। उनमें कुलपति, रजिस्ट्रार से लेकर प्रिंटिंग प्रेस तक की 'मिलीभगत' भी देखी है, लिहाजा पेपरलीक के दौर में प्रिंटिंग प्रेस और उसके दल्लों की धंधेबाजी और नतीजतन पेपरलीक कमोबेश हमें नहीं चौंकाता। अब इस नेटवर्क को तोडऩे और मसलने का वक्त आ गया है। अब प्रधानमंत्री मोदी और उनकी कैबिनेट के खास, समझदार मंत्रियों को विमर्श कर यह तय करना पड़ेगा कि परीक्षा का तरीका क्या होना चाहिए? ऑफलाइन परीक्षा क्यों जरूरी है?

उच्च रक्तचाप की बढ़ती समस्या के लिए लापरवाही पड़ रही भारी-विश्व उच्च रक्तचाप दिवस विशेष 17 मई 2026

सत्य समझिए, भ्रामकता में अनमोल सांसे ना गवाएं। जी हां, फिलहाल हम सभी लोग जीवन के लिए सबसे आवश्यक घटकों को बर्बाद करने को अपनी झूठी महानता समझ रहे है, लेकिन आज हमसे बड़ा बेवकूफ अन्य कोई नहीं। प्राणी,पशु-पक्षी भी इस मामले में हमसे ज्यादा अक्लमंद हैं। हम बात कर रहे है यहाँ स्वास्थ्य की, जिसको बिगाड़ने का काम प्रदूषण, हमारी चटोरी जबान, लापरवाही और मिलावटखोरी कर रही हैं। हम अक्सर अपने आसपास रोजाना नए-नए मोर्चे, आंदोलन, रैली, झगड़े, वादविवाद की खबरें देखते-सुनते है, लेकिन जीने के लिए सबसे आवश्यक शुद्ध ऑक्सीजन, स्वच्छ जल और पर्याप्त पोषक आहार हर एक नागरिक को प्राप्त हों, जो हर एक का अधिकार है, जिसका संविधान के मूल अधिकारों में भी उल्लेख है, क्या उसके लिए ऐसे जागरूकता मोहिम हमारे आसपास अक्सर देखने मिलती हैं।

दूषित हवा को हम शरीर में प्राणवायु के रूप में ले रहे है और खुद ही मौत को बुला रहे हैं। धीमे जहर के रूप में विषाक्त भोजन चटकारे लेकर खा रहे हैं। हर वस्तु की बनावट वस्तु आज मार्केट में उपलब्ध है, यह तक कि खाद्यपदार्थों से लेकर, कपडे, यांत्रिक संसाधन, सभी प्रकार के उत्पाद तक डुप्लीकेट मिलते हैं। स्वार्थ ने हमें इतना अँधा बना दिया है कि अपने फायदे के लिए लोगों की सेहत से खिलवाड़ करना आम बात बन गयी हैं। जो सेहत खराब करे, ऐसी लाइफस्टाइल किस काम की? जिंदगी ज्यादा जरुरी है या स्वार्थ? दुनियाभर की दौलत खर्च करके भी एक सेकंड की जिंदगी नहीं खरीद सकते, फिर सेहत के प्रति लोगों में गंभीरता क्यों नजर नहीं आती? कोई हमारे सेहत से खिलवाड़ कर रहा है तो हम उसे रोकते क्यों नहीं?

तेजी से रफ्तार पकड़ने वाला क्षेत्र वैद्यकीय है, क्योंकि हमारे देश में बीमारियों की वृद्धि साल-दर-साल अत्यधिक हो रही है और जिस प्रकार के प्रदूषित एवं तनावपूर्ण वातावरण में हम आज जी रहे है भविष्य में यह बीमारियां अधिक भयावह रूप धारण करेंगी। अन्य जगह की तरह, हॉस्पिटल में कोई मोलभाव नहीं

होता, चिकित्सक द्वारा जो परीक्षण या दवाएं बताई है, वो आवश्यक हो जाती हैं। बीमारियों को बढ़ाने में अधिकतर हम खुद जिम्मेदार है, आज सबसे ज्यादा मौतें हृदय की समस्याओं के कारण हो रही है क्योंकि स्वस्थ हृदय का ख्याल हम ठीक ढंग से नहीं रख पा रहे हैं। हृदय रोगों के लिए उच्च रक्तचाप की समस्या अहम है और उच्च रक्तचाप की समस्या निर्माण में हमारी खराब आदतें जिम्मेदार हैं।

हाइपरटेंशन दुनिया भर में सबसे आम स्वास्थ्य समस्या है, लाखों लोगों को प्रभावित करने के बावजूद, इस स्वास्थ्य समस्या पर अक्सर ध्यान नहीं जाता; यह अक्सर बिना किसी साफ़ लक्षण के बढ़ती रहती है, इसी कारण से, डॉक्टर और स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे साइलेंट किलर कहते हैं। अगर समय रहते इसका योग्य निदान न किया जाए, तो हाई ब्लड प्रेशर शरीर के महत्वपूर्ण अवयवों को चुपचाप नुकसान पहुंचा सकता है और दिल की बीमारी, स्ट्रोक, किडनी फेलियर और दूसरी जानलेवा बीमारियों का खतरा काफी बढ़ा सकता हैं। ज़्यादातर मामलों में, लोग बिना किसी चेतावनी के संकेतों पर ध्यान दिए अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी जीते रहते हैं। हालाँकि, जब रक्तचाप बहुत ज़्यादा बढ़ जाता है, तो तेज़ सिरदर्द, चक्कर आना, सीने में दर्द, धुंधला दिखना, साँस लेने में दिक्कत या दिल की धड़कन का अनियमित होना जैसे लक्षण हो सकते हैं। बदकिस्मती से, बहुत से लोगों को अपनी गंभीर हालत के बारे में तब पता चलता है जब कोई गंभीर चिकित्सा आपातकाल, जैसे स्ट्रोक या ह्रदयाघात होता हैं।

रक्तचाप वह है जो हृदय के खून पंप करते समय खून की नसों की दीवारों पर पड़ता है। इसे दो संख्याओं से मापा जाता है। पहला, जिसे %सिस्टोलिक प्रेशर% कहते हैं, दिल के सिकुड़ने पर पड़ने वाले प्रेशर को दिखाता है; दूसरा नंबर, जिसे %डायस्टोलिक प्रेशर% कहते हैं, धड़कनों के बीच दिल के आराम करने पर पड़ने वाले प्रेशर को मापता है। सामान्य रक्तचाप आमतौर पर सिस्टोलिक/डायस्टोलिक 120/80 से कम होता है। जब किसी व्यक्ति का ब्लड प्रेशर लगातार 140/90 या उससे ज़्यादा हो जाता है, तो उस व्यक्ति को उच्च रक्तचाप या %हाइपरटेंशन% माना जाता है। उच्च रक्तचाप को आम तौर पर दो वर्गों में बांटा जाता है, प्राथमिक एवं द्वितीय। प्राथमिक हाइपरटेंशन सबसे आम प्रकार है, यह बढ़ती उम्र, खराब डाइट, मोटापा, तनाव, धूम्रपान और शारीरिक गतिविधियों की कमी जैसे कारणों से समय के साथ धीरे-धीरे बढ़ता हैं। दूसरी ओर, द्वितीय हाइपरटेंशन शरीर में दूसरी अंदरूनी चिकित्सा हालत, जैसे किडनी की बीमारी या हार्मोनल डिसऑर्डर की वजह से होता हैं। कुछ दवाएं लेने से भी हाई ब्लड प्रेशर का स्तर बढ़ सकता हैं। अनुवांशिक एवं पारिवारिक हिस्ट्री से भी उच्च रक्तचाप होने का खतरा बढ़ जाता हैं।

आज दुनिया भर में हाइपरटेंशन के मरीज़ों की बढ़ती संख्या में आधुनिक जीवनशैली की बड़ी भूमिका हैं। व्यस्त लाइफस्टाइल, ज़्यादा नमक वाला प्रोसेस्ड खाना, पैक्ड फूड, वसायुक्त खाद्य पदार्थ, शक्कर तेल मसाले से तरबतर भारी खाना, देर रात तक जागना, पूरी नींद न लेना, आलस, तंबाकू का इस्तेमाल और बहुत ज़्यादा शराब पीना, ये सभी वजहें उच्च रक्तचाप की वजह बनती हैं। इसके अलावा हमारे देश में प्रदूषण सबसे बड़ी समस्या है, लेकिन 100 में से केवल 3 -4 लोग ही जागरूकता दिखाते है, बाकियो को तो कुछ फर्क ही नहीं पड़ता ऐसा महसूस होता हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि, दुनिया भर में 1.4 बिलियन से ज़्यादा वयस्क अभी हाइपरटेंशन से परेशान हैं, परंतु दु:ख की बात है कि इनमें से कई मामलों का पता नहीं चल पाता या उन्हें ठीक से मैनेज नहीं किया जाता। अनियंत्रित हाई ब्लड प्रेशर के लंबे समय तक चलने वाले असर गंभीर हो सकते हैं। हार्ट फेलियर, सीने में दर्द या हार्ट अटैक हो सकता है, स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता हैं। किडनी खास तौर पर कमज़ोर होती है, क्योंकि हाई ब्लड प्रेशर शरीर से अवशेष को असरदार तरीके से फिल्टर करने की उनकी क्षमता को कम करता है, नज़र कमज़ोर होकर सोचने-समझने की क्षमता में कमी भी होती हैं।

उच्च रक्तचाप एक ऐसी बीमारी है जिसे रोका एवं नियंत्रित किया जा सकता है, इसके लिए सबसे पहले अपने दिनचर्या में बदलाव सबसे असरदार कदम हैं। एक हेल्दी डाइट जिसमें फल, सब्जियां, साबुत अनाज और कम वसा वाले दुग्ध उत्पाद शामिल हों, जो हृदय की सेहत को काफी बेहतर बना सकती हैं। नमक कम खाना, सामान्य वज़न बनाए रखना, नियमित व्यायाम करना और सभी प्रकार के नशे से दूरी बनाना हाई ब्लड प्रेशर होने के खतरे को कम कर सकता है। तनावमुक्त आराम, पूरी नींद और हंसीखुशी भरे वातावरण से तनाव को नियंत्रित करने से ब्लड प्रेशर लेवल बेहतर बना रहता हैं। समस्या गंभीर होने पर, सिर्फ़ जीवनशैली में बदलाव पर्याप्त नहीं होते, चिकित्सक ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद के लिए आवश्यक दवाएँ भी देते हैं। नियमित रक्तचाप की जाँच ज़रूरी है, क्योंकि जल्दी पता चलने से जान बच सकती हैं। ब्लड प्रेशर को समझना और नियंत्रित करना एक हेल्दी भविष्य की ओर सबसे ज़रूरी कदम हैं। स्वस्थ रहने के लिए हरियाली भरा शुद्ध वातावरण बहुत जरूरी हैं। हमेशा जागरूकता, हेल्दी आदतें अपनाकर और समय पर इलाज करवाकर, हाइपरटेंशन जैसे अन्य भी अनेक बीमारियों को बखूबी नियंत्रित कर अपनी स्वास्थ्य की रक्षा कर सकते हैं।

लेखक - डॉ. प्रितम भि. गेडाम

दवाखाना बंद करने के फैसले का विरोध
बीड़ी कामगारों ने दी आंदोलन की चेतावनी, मजदूरों की स्वास्थ्य सेवा पर संकट

आमगांव-गोंदिया जिले में कई परिवारों की रोजी-रोटी काफी हद तक बीड़ी उद्योग पर निर्भर करती है. बीड़ी बनाने वाले कामगारों की स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय की तरफ से अलग-अलग जगहों पर बीड़ी कामगार दवाखाना शुरू किए गए हैं.लेकिन, आमगांव में बीड़ी कामगार दवाखाना बंद करने के फैसले से कामगारों में नाराजगी और असंतोष का माहौल है.आमगांव का यह दवाखाना चार तहसीलों के बीड़ी मजदूरों और मरीजों के लिए एक जरूरी स्वास्थ्य केंद्र के तौर पर काम कर रहा है. हर दिन यहां करीब 20 से 25 मरीज इलाज के लिए जरिए बीड़ी मजदूरों के बच्चों को स्कॉलरशिप का फायदा भी दिया जाता है. जानकारी के अनुसार, आमगांव के दवाखाने में करीब 5 हजार ऑनलाइन

रजिस्टर्ड बीड़ी मजदूर हैं, जबकि करीब 12 हजार मजदूर अभी भी ऑनलाइन प्रक्रिया से दूर हैं. ऐसे में डर है कि अगर दवाखाना बंद हुआ तो हजारों मजदूरों को स्वास्थ्य सुविधाओं से दूर रहना पड़ेगा.

सांसद और विधायक ने दिए शिफ्ट को रद्द का आश्वासन

इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि दुष्यंत किरसान और विधायक प्रतिनिधि मनोज सोमवंशी, राम चक्रवती बीड़ी मजदूरों से मिले और उन्हें भरोसा दिलाया कि दवाखाना बंद नहीं होगा और वे संबंधित मंत्रियों से मिलकर दवाखाने को शिफ्ट करने का निर्देश रदद करवाएंगे. इस दौरान बड़ी संख्या में बीडी मजदूर और पुरुष और महिला नागरिक उपस्थित थे.

गोंदिया में शिफ्ट करने पर मजदूरों की सेवा प्रभावित

मजदूरों के अनुसार अगर यह दवाखाना बंद कर सेवा गोंदिया में शिफ्ट कर दी गई, तो गांव के गरीब मजदूरों को बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा. इसलिए, बीड़ी मजदूरों ने पक्का इरादा कर लिया है कि वे किसी भी हालत में दवाखाना बंद नहीं होने देंगे. साथ ही, मजदूरों ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने यह फैसला वापस नहीं लिया तो वे कड़ा आंदोलन करेंगे. इस बीच, अब सबकी नजर इस बात पर है कि केंद्र सरकार बीड़ी मजदूरों की भावनाओं का ध्यान रखते हुए इस मामले में क्या फैसला लेती है.

जैसलमेर के कलाकारों की नृत्य प्रस्तुति
महाराणा प्रस्ताप जयंती पर दर्शक हुए मंत्रमुग्ध

तिरोड़ा-गोंदिया-तुमसर रोड़ पर पुराने सुकड़ी नाका तिरोड़ा फाटे पर स्थापित महाराणा प्रताप की जयंती अवसर पर महाराणा प्रताप की भव्य अश्वरुढ़ प्रतिमा पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन के साथ जयंती संपन्न हुई. इस अवसर पर विधायक विजय रहांगडाले, गोंदिया नप की पार्षद शिलू राकेश ठाकुर, नृत्यकलाकार श्यामन बेन, नप उपाध्यक्ष राजेश गुनेरिया, पार्षद अजयसिंह गौर व बाहर गांव जैसे महालगांव, खातियां, भंडारा आदि गांवों से आए हुए शोभा भारद्वाज, शोमलसिंह चव्हाण, जैवार, पार्षद ममत बैस आदि का शाल, श्रीफल, स्मृतिचिन्ह भेंट देकर सत्कार किया गया. जैसलमेर (राजस्थान) से पहुंचे पुरुष कलाकार ने अपने गायनों से व इनके गायन व वाद्य के तालसुर पर श्यामन बेन व उनकी महिला कलाकारों ने सिर पर 7 मटकियां रखकर नृत्य करते हुए नीचे रखे हुए रु. उठाना, थाली पर खड़े होकर सिर पर 7 मटकियां

रखकर ही दोनों गिलास पर खड़े होकर व 2 चाकू पर खड़े होकर नृत्य किया. इस कलाकारी व नृत्य की उपस्थितों ने सराहना कर कलाकारों का उमंग व जोश बढ़ाने नकद चढ़ावा भी भारी पैमाने पर दिया. इस कलाकार मंडली ने प्रस्तुत किए सभी गाने व नृत्य की उपस्थितों ने वाहवाही की. इस तरह का अनोखा नृत्य शहर में पहली बार शहरवासियों को देखने को मिला. इस अवसर पर शहर के क्षत्रिय राजपुत समाजबंधू महिला, पुरुष, बच्चे सभी व शहरवासी उपस्थित थे. सफलतार्थ आनंद बैस, अजयसिंह तोमर, डेनी परमार, देवेंद्र गहेरवार, रितेश परमार आदि ने प्रयास किया. संचालन पार्षद संजयसिंह बैस ने किया व आभार पार्षद ममता बैस ने माना.

छापेमारी में 6 सिलेंडर जब्त
आपूर्ति विभाग ने की सख्त कार्रवाई

तिरोड़ा-घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण और बिना बुकिंग के उनके उपयोग बाद, उनके उपयोग का खुलासा होने के बाद अधिकारी दिगंबर गवाने और पंकज जनबंधु ने गैस सिलेंडर जब्त करने की कार्रवाई की. आपूर्ति विभाग ने एक छापेमारी में छह सिलेंडर जब्त किए. यह निरीक्षण अभियान बरखा एजेंसी क्षेत्र में चलाया गया. इस अभियान के दौरान, आपूर्ति विभाग ने गोपीचंद रामचंद वत्सानी के कब्जे से हिमाचल प्रदेश कंपनी के दो घरेलू सिलेंडर, हिमाचल प्रदेश कंपनी का एक पांच किलो का गैस सिलेंडर और भारत गैस कंपनी के दो सिलेंडर जब्त किए. इसके अलावा, गोपीचंद वत्सानी के आवास पर तलाशी के दौरान, व्यावसायिक उपयोग के लिए इंडियन कंपनी का एक गैस सिलेंडर बिना बुकिंग के

पाया गया. इस बीच, आपूर्ति विभाग ने घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग और अवैध भंडारण के खिलाफ आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है. यह कार्रवाई निरीक्षण अधिकारी मनोज राउत, आपूर्ति निरीक्षक दिगंबर गवाने, क्लर्क पंकज जनबंधु और कांस्टेबल अश्विन वासनिक द्वारा की गई.

घरेलू गैस का दुरुपयोग

वर्तमान समय में, जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईंधन संकट गहराता जा रहा है, सरकार ईंधन संरक्षण की अपील कर रही है. ऐसे में घरेलू गैस का दुरुपयोग, कालाबाजारी या अवैध जमाखोरी आम उपभोक्ताओं के लिए गैस की कमी का कारण बन सकती है. इसलिए, आपूर्ति विभाग ने स्पष्ट किया है कि ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी.

आवश्यक खाद्य सामग्री व पेय पदार्थ आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे
ऑटोमैटिक वेडिंग मशीन का शुभारंभ

गोंदिया-दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल द्वारा यात्रियों की सुविधा व बेहतर यात्रा अनुभव को ध्यान में रखते हुए गोंदिया रेलवे स्टेशन पर स्वचालित विक्रय मशीन (ऑटोमैटिक वेडिंग मशीन) सेवा प्रारंभ की गई है. इस नई व्यवस्था के माध्यम से यात्रियों को स्टेशन परिसर में आवश्यक खाद्य सामग्री व पेय पदार्थ आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे. नागपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक दिलीप सिंह के नेतृत्व में शुरू की गई यह सुविधा प्रदान करेगी. अब यात्रियों को अपनी आवश्यक वस्तुओं के लिए अधिक प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी तथा वे सुविधाजनक ढंग से अपनी जरूरतों की पूर्ति कर सकेंगे. रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों को आधुनिक, सुरक्षित व गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है. स्वचालित विक्रय मशीन सेवा के प्रारंभ होने से स्टेशन परिसर में यात्रियों को आत्मनिर्भर व सहज खरीदारी का अनुभव प्राप्त होगा, जिससे उनकी यात्रा और अधिक सुखद यात्रियों को तेज, सरल व स्वच्छ सेवा बनेगी.

मृत महिला के परिजनों को मिली सहायता राशि
बाघ के हमले में मौके पर ही हो गई थी मृत्यु

गोंदिया-10 मई को सुबह 9 बजे के दौरान गोठनगांव वनपरिक्षेत्र के अंतर्गत वडेगांव बंध्या बीट के कक्ष क्र. 775 में बाघ के हमले की घटना हुई. जिसमें वडेगांव बंध्या निवासी शोभा हरिदास रहाटे (65) जब जंगल क्षेत्र में गई थीं, तब उस पर बाघ ने हमला किया. इस हमले में वह गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही मौत का शिकार हो गई. महिला के परिजनों को आर्थिक सहायता के रूप में तुरंत 50 हजार रु. दिए गए. जानकारी मिलते ही वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और पंचनामा तथा आगे की आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है. ग्रामीणों को सतर्क रहने के निर्देश इस क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई है

और ग्रामीणों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं. मौके पर निरीक्षण करने पर पाया गया कि क्षेत्र में भारी मात्रा में पत्ते और सूखा कचरा होने के कारण स्पष्ट पैरों के निशान नहीं मिले. फिर भी, घटनास्थल की स्थिति और मृत शरीर पर चोटों के आधार पर बाघ के हमले की संभावना दिख रही है. गोठनगांव वनपरिक्षेत्र अधिकारी मिलिंद पवार ने कहा कि मामले में आगे की आवश्यक कार्रवाई वन विभाग कर रहा है.

प्रोग्रेसिव्ह मराठी हॉयस्कूल का कक्षा 10 वी का परीक्षा परिणाम पुनः रहा शत् प्रतिशत

बुलंद गोंदिया- महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के दसवी कक्षा के परीक्षा परिणाम हाल ही मे घोषित हुऐ। श्रीमती उमाबाई बहुउद्देशीय शिक्षण संस्था द्वारा संचालित व स्टेट बोर्ड से संलिग्नत प्रोग्रेसिव्ह मराठी हॉयस्कूल ने इस वर्ष भी पुन: शत् प्रतिशत परीक्षा परिणाम अर्जित किया। विद्यालय के प्रतिभावान छात्र मा. सार्थक आष्टीकर 93.60% प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय मे प्रथम स्थान पर रहे। द्वितीय स्थान पर कु. भावना देशमुख 92.00%, व कु. पल्लवी शेंडे 91.80% लेकर तृतीय स्थान पर सफलता प्राप्त की। इसी क्रम में कु. निलम बिसेन 91.40%, मा. रौनक डेकाटे 90.60%, कु. नंदिनी देशमुख 90.00%, मा. खिलेश पटले 90.00%, मा. आर्यन आष्टिकर 89.40%, मा. तुषार थेर 89.00त्न, कु. रुचिता बिसेन 88.00%, मा. यश लांजेवार 87.40%, मा. भाग्येश चुटे 85.80%, कु. प्रांजल लिचडे 85.60%, मा. खशमित बानेवार 84.00%, कु. पलक हलमारे 81.40%, मा. आर्यन नाईक 80.00% अंको के साथ प्रविण्य सूची में रहें। विद्यार्थीयो की इस सफलता पर संस्थाध्यक्ष डॉ. पंकज कटकवार, उपाध्यक्ष श्रीमती अल्का पी. कटकवार, संस्था सचिव डॉ. निरज कटकवार, संचालिका श्रीमती लीना एन. कटकवार, प्राचार्या निधी व्यास, सुशिला भोयर, ओ.टी. रहांगडाले, विना कावळे, तुमेश पारधी, पुस्तकला फुंडे, रमेश पारधी, भागचंद लेंडे, सिमरन बास्के, लोकेश्वरी रहांगडाले ओमेश्वर तांडेकर ने सभी सफल विद्यार्थीयों को बधाई दी।

सड़क पर गिरने से मौत

भंडारा-लाखांदुर तहसील के चप्राड निवासी मनोज हरीचंद्र देशमुख (41) की मौत हो गई. मनोज एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए मौजा कोंढा आए थे. शराब के नशे में होने के कारण वे कोंढा-कोसरा मार्ग पर गिर पड़े, जिससे उनके सिर पर गंभीर चोट आई. उन्हें तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोंढा ले जाया गया, डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. अड्याल पुलिस ने मर्ग दर्ज किया है.

गोंदिया जिले से अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार हों और जिले का नाम करें रोशन-जिला क्रीड़ा अधिकारी

ग्रीष्मकालीन तायक्वांडो क्रीड़ा प्रशिक्षण शिविर का समापन

बुलंद गोंदिया। जिला क्रीड़ा अधिकारी कार्यालय व गोंदिया जिला तायक्वांडो एसोसिएशन और डीजीएम तायक्वांडो स्पोर्ट्स अकादमी गोंदिया के संयुक्त तत्वावधान में ग्रीष्मकालीन तायक्वांडो क्रीड़ा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था फुलचुरपेठ, गोंदिया में किया गया था। इस प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों के लिए प्रमाणपत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में जिला क्रीड़ा अधिकारी भोजराज चौधरी, अतिथि महाराष्ट्र शासन द्वारा गुणवंत क्रीड़ा मार्गदर्शक पुरस्कार विजेता तथा जिला सचिव, गोंदिया जिला तायक्वांडो एसोसिएशन दुलीचंद मेश्राम, परंपरागत युवा क्रीड़ा व खेल संगठन के अध्यक्ष डॉ. अजय बिरणवार आदि मान्यवर प्रमाणपत्र वितरण समारोह के अवसर पर उपस्थित थे। कार्यक्रम के अध्यक्ष जिला क्रीड़ा अधिकारी भोजराज चौधरी ने उपस्थित सभी खिलाड़ियों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य और केंद्र सरकार ने खेलों के लिए विभिन्न प्रकार की क्रीड़ा सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं, इसका लाभ खिलाड़ियों को उठाना चाहिए।

साथ ही उन्होंने यह आह्वान भी किया कि गोंदिया जिले से अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार हों और जिले का नाम रोशन करें। उपस्थित सभी अतिथियों ने भी मार्गदर्शन किया। प्रशिक्षण शिविर में कम से कम 100 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को सहभागिता प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का प्रास्ताविक जिला सचिव दुलीचंद मेश्राम ने किया, संचालन प्रशिक्षक कुसुम पटले ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन कुंजन डोये ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सरगम वाघाडे, आदिती ब्रह्मपुरे, हिमांशू नाईक, पूर्वान्स राऊत, राहुल खोब्रागडे आदि ने सहयोग किया।

नाचने पर विवाद होने से चाकू से हमला, 3 घायल

गोंदिया-गंगाझरी थाने के तहत ग्राम सोनेगांव खुर्द में शादी का आशीर्वाद समारोह चल रहा था. इसी बीच डीजे में नाचने के दौरान हुए विवाद में दो आरोपियों ने तीन युवकों पर चाकू से हमला कर दिया. जिसमें सोनेगांव खुर्द निवासी रवि पवन पंधरे (21), सतिश पवन पंधरे (24) व दिनेश शिशुपाल नेवारे (24) घायल हो गए. जानकारी के अनुसार, गोरेगांव तहसील के सोनेगांव खुर्द निवासी फिर्यादी दिनेश शिशुपाल नेवारे (24) गांव के शादी आशीर्वाद समारोह में गया था. जहां वह डीजे के पास खुर्सी पर बैठा था. इसी बीच नाचने को लेकर गांव के दुर्गेश तुमसरे के साथ वधू पक्ष के लोगों ने बीच-बचाव कर धक्का-मुक्की की. इस दौरान गांव के लोगों ने विवाद मिटाने का प्रयास किया. वहीं फिर्यादी भी विवाद मिटाने के लिए कुर्सी से उठा. इस बीच गोंदिया तहसील के कुड़वा निवासी आरोपी आर्यन शिवप्रसाद रहांगडाले (20) व आर्यन चंद्रकांत सूर्यवंशी (21) ने साठगांठ कर फिर्यादी पर चाकू से हमला कर दिया. वहीं बीच-बचाव करने आए रवि व सतीश पर पर चाकू से प्रहार किया. जिसमें तीनों घायल हो गए. फिर्यादी की शिकायत पर गंगाझरी पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

जिले में वन्यजीवों के हमले में हो रही बढ़ोतरी

तेंदूपत्ता संकलन के लिए गए मजदूर पर भालू ने किया हमला

अर्जुनी मोरगांव तहसील में चार दिनों में तीसरी घटना

बुलंद गोंदिया। गोंदिया जिले के अर्जुनी मोरगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले वनक्षेत्र में वन्यजीवों के हमले की घटना में बढ़ोतरी हो रही है गत चार दिनों में यह तीसरी घटना सामने आई है जिसमें 12मई की सुबह 8ः00 बजे के दौरान भरनोली जंगल परिसर में तेंदूपत्ता संकलन के लिए गए मजदूर दीपक रतिराम गावड़े उम्र 40 वर्ष पर भालू ने हमला कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया।

गौरतलब है की अप्रैल व मई माह में जिले में जंगलों से बड़े पैमाने पर तेंदूपत्ता व अन्य वनउपज का संकलन वन क्षेत्र से लगे ग्रामीणों द्वारा कर अपनी वर्ष भर की आजीविका चलाई जाती है लेकिन संरक्षित वन क्षेत्र से लगे ग्रामों के नागरिक जब वन क्षेत्र में संकलन के लिए जाते हैं तो वन्य जीव वह मानव संघर्ष के मामले बड़े पैमाने पर अब सामने आ रहे हैं। अर्जुनी मोरगांव तहसील के विभिन्न वन क्षेत्र अंतर्गत चार दिनों में वन्य जीवों के हमले के तीन मामले सामने आ चुके हैं। तीसरे मामले में मंगलवार 12 मई की सुबह 8.00 के दौरान अर्जुनी मोरगांव के तीरखुरी सहवन क्षेत्र के क्षेत्र 9 नियत क्षेत्र क्रमांक 3 के अंतर्गत आने वाले भरनौली जंगल परिसर में तेंदूपत्ता संकलन के लिए गए दीपक रतिराम गावड़े उम्र 40 वर्ष पर भालू ने हमला कर जख्मी दिया।

जानकारी के अनुसार परिसर में कुछ मजदूर प्रतिदिन के अनुसार सुबह जंगल परिसर में तेंदूपत्ता संकलन के लिए गए थे तथा तेंदू के पत्ते का संकलन करने में व्यस्त थे इसी दौरान झुड़पी में छुपे भालू ने अचानक दीपक पर हमला कर दिया इस हमले में उसकी जांघ वह शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट आई। दीपक पर हमला होते देख उसके अन्य साथी मजदूरों द्वारा जोर-जोर से शोर मचाते हुए उसकी मदद के लिए उसकी और दौड़ लगाई भारी शोर के चलते भालू जंगल की दिशा की ओर निकल गया इसके पश्चात दीपक के सहयोगियो के द्वारा उसे जख्मी अवस्था में जंगल से बाहर लाकर केसोरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए दाखिल किया चिकित्सा अधिकारि द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार उसकी स्थिति चिंताजनक है किंतु स्थिर है। इस घटना की जानकारी मिलते ही गोठनगांव वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचकर पंचनामा करने के पश्चात क्षेत्र में गस्त बडाई। तथा अधिकारियों ने ग्रामीणों से आवाहन किया है कि वह जंगल में अकेले ना जाए तथा सतर्क रहे तथा आसपास में वन्य जीव दिखाई देने पर इसकी जानकारी वन विभाग को दे ।

आम तोड़ने को लेकर हुई बहस

गोंदिया-खेत में लगे आम के पेड़ से आम तोड़ने की बात पर दो भाइयों के बीच कहासुनी हो गई. गुस्से में आकर भाई ने भाई पर लकड़ी के डंडे से हमला कर दिया. हमले में एक भाई घायल हो गया. यह घटना सोमवार को सालेकसा थाने के पिपरटोला में हुई. घायल व्यक्ति की पहचान सेवकराम तुलसीराम बनकर के रूप में हुई है, और इस मामले में श्यामराव तुलसीराम बनकर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है.

मोटरसाइकिल चोरी

गोंदिया-रावनवाड़ी थाने के तहत रतनारा निवासी फिर्यादी डिगमलाल बसेने (48) की मोटरसाइकिल क्र. एमएच 35 एक्यू 2196 को अज्ञात व्यक्ति ने रावनवाड़ी बाजार से चुरा लिया. जिसकी कीमत 50 हजार रु. बताई गई है. फिर्यादी की शिकायत पर रावनवाड़ी पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

कीड़ों से होने वाली बीमारी नियंत्रण की समीक्षा

बाहर से आने वालों पर नजर रखें

गोंदिया-जिला परिषद में जिला स्तर पर कीड़ों से होने वाली बीमारी नियंत्रण कार्यक्रम की समीक्षा बैठक जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अभिजीत गोल्हार, जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. विनोद चव्हाण और नंदकिशोर भालेराव की उपस्थिति में संपन्न हुई. बैठक के दौरान डॉ. गोल्हार ने कहा कि गोंदिया जिले को मलेरिया सेंसिटिव जिला घोषित किया गया है और यह जिला चावल की खेती के लिए मशहूर है. इसे तालाबों वाला जिला कहा जाता है. साथ ही, जंगल वाले इलाके, घने पेड़ और झाड़ियां मच्छरों और मच्छरों के लार्वा के लिए उपजाऊ माहौल बनाती हैं. मजदूर जिले में आते हैं. मलेरिया को नियंत्रित करने के लिए, बाहर से आए लोगों पर नज़र रखने और लोगों की मदद से हफ़्ते में एक दिन सूखा दिन रखने के निर्देश दिए गए. क्योंकि जिले में पूरे साल डेंगू बुखार के मरीज आते रहते हैं, इसलिए अगर डेंगू बुखार को फैलने से रोकना है तो मच्छरों के साथ-साथ मच्छरों के लार्वा को भी खत्म करना जरूरी है. डॉ. विनोद चव्हाण ने कहा कि इसमें जनता की भागीदारी और दूसरे विभागों और एनजीओ की भागीदारी जरूरी है. स्वास्थ्य कर्मचारी और आशा सेविकाओं को गांव के स्तर पर लोगों को स्वास्थ्य शिक्षा देकर और उनकी आदतें बदलकर समाजिक व्यवहार बदलने पर खास ध्यान देने के निर्देश दिए गए.

लाभार्थियों तक अच्छी सेवा पहुंचाने के निर्देश

बैठक के दौरान कीडों से होने वाली बीमारियों के नियंत्रण कार्यक्रम को लागू करने, उसकी प्रक्रिया और चुनौतियों की विस्तार से समीक्षा की गई. सभी कर्मचारियों को अपने काम को बेहतर बनाने और लाभार्थियों तक अच्छी सेवा पहुंचाने का निर्देश दिए गए. बैठक में तहसील स्तर के कीट वैज्ञानिक, प्रयोगशाला वैज्ञानिक अधिकारी, तहसील स्तर और जिला स्तर के पर्यवेक्षक और स्वास्थ्य निरीक्षक उपस्थित थे.

सांसद डॉ. पडोले के निर्देश, जिला विकास समन्वय व सनियंत्रण समिति की बैठक

केंद्रीय योजनाओं से वंचित न रहें लोग

गोंदिया-केंद्र शासन की योजनाओं से जिले के नागरिक वंचित न रहे इसके लिए अधिकारियों ने प्रयासरत रहना चाहिए ऐसे निर्देश सांसद डॉ. प्रशांत पडोले ने जिला नियोजन के सभागृह में आयोजित जिला विकास समन्वय व सनियंत्रण समिति (दिशा) की बैठक में दिए. बैठक में जिप अध्यक्ष लायकराम भंडारकर, जिलाधीश डॉ. मंगेश गोंदावले, जिप सीईओ मुरुगानंथम, पूर्व विधायक दिलीप बंसोड़, अतिरिक्त जिप मुख्य कार्यपालन अधिकारी तानाजी सावंत, उप संरक्षक पवन कुमार जोंग उपस्थित थे. इसके साथ ही बैठक में पंस सभापति, सदस्य, ग्रापं सरपंच और सभी विभाग के अधिकारी उपस्थित थे. पडोले ने आगे कहा कि दिशा समिति इसलिए बनाई गई है ताकि केंद्र सरकार की योजनाओं का फायदा मिल सके. पडोले ने इस मौके पर सभी जरूरी योजनाओं की समीक्षा की. उन्होंने सोलर एनर्जी पंप की स्थिति का जायजा लिया. सरकार ने जिले में जंगल के कुछ हिस्सों को बफर जोन बनाया है और सुझाव दिया कि स्थानीय लोगों को बसाने में कम से कम परेशानी हो. उन्होंने निर्देश दिया कि जंगली सूअर, हाथी, बंदर और दूसरे जंगली जानवरों की वजह से स्थानीय किसानों को हुए भारी नुकसान को दूर करने के लिए वन विभाग को सही कदम उठाने चाहिए. उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि जिले में वनतारा जैसा प्रोजेक्ट लागू किया जाना चाहिए, जिससे पर्यटन और रोजगार भी बढ़ेगा.

सीसीटीव्ही कैमरे को दुरुस्त करने के दिए निर्देश

जिले में क्रीड़ा विभाग के पास मैनपावर कम है और प्रलंबित काम बढ़ गया है, इस बारे में तुरंत कदम उठाने के निर्देश दिए गए. कला की सेवा करने वाले कलाकारों के लिए केंद्र सरकार की एक योजना है और जिलों के कलाकारों को इसका फायदा मिलना चाहिए, इस बारे में जल्द ही एक बैठक होगी. यह भी निर्देश दिया गया कि शिक्षा विभाग यह पक्का करे कि शालेय पोषण आहार योजना के तहत दिया जाने वाला खाना अच्छी क्वालिटी का हो, सीसीटीवी कैमरे चालू हो. पडोले ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत विद्यार्थियों को दी जाने वाली ट्रेनिंग के बारे में जाना.

किसानों की शिकायतों का तत्काल समाधान करें

मार्केटिंग विभाग धान खरीद रहा है और किसानों से मिली शिकायतों का जिला मार्केटिंग अधिकारी तुरंत समाधान करें. इस साल जिले को रबी के लिए मिला टारगेट बढ़ाना चाहिए. पिछले साल का धान अभी भी गोदामों में है. बैठक में किसानों को भुगतान के बारे में पहल करने के निर्देश दिए गए. पडोले ने जिले में महिलाओं को मजबूत बनाने के लिए उमेद द्वारा किए जा रहे कामों की जानकारी ली. इसके साथ ही, उन्होंने सभी विभाग की जानकारी ली और जिले के किसानों, महिलाओं, बच्चों, विद्यार्थियों, युवाओं, बुजुर्गों और हर तबके के नागरिकों की समस्याओं को हल करने में देरी न करने की अपील की

सड़क किनारे खड़े वाहनों से बढ़ रहा दुर्घटनाओं का खतरा

अधिकांश बैंकों में पार्किंग व्यवस्था नदारद

गोरेगांव-शहर के प्रमुख बैंकों में पार्किंग व्यवस्था का अभाव अब गंभीर समस्या बनता जा रहा है. बैंकिंग कार्यों के लिए आने वाले नागरिक मजबूरी में अपने वाहन सड़कों पर खड़े कर रहे हैं, जिससे यातायात व्यवस्था लगातार प्रभावित हो रही है. बैंकों के सामने आधी सड़क तक वाहनों की कतारें सुबह से शाम तक लगी रहती हैं, जो आए दिन दुर्घटनाओं का कारण बन रही है. इसके बावजूद बैंक प्रशासन इस समस्या को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहा है. गोरेगांव शहर में बैंक ऑफ महाराष्ट्र, स्टेट बैंक, गोंदिया को-ऑपरेटिव बैंक तथा ग्रामीण बैंक जैसे प्रमुख बैंक संचालित हैं, लेकिन इनमें से अधिकांश बैंकों में पार्किंग की समुचित व्यवस्था नहीं है. गोरेगांव-कुरहाड़ी मार्ग पर स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र शहर की सबसे बड़ी बैंक मानी जाती है. लाखों खातेदार होने के बावजूद यहां पार्किंग सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई है. बैंक में प्रतिदिन भारी भीड़ रहती है और खातेदारों के वाहन घंटों सड़क पर खड़े रहते हैं. इससे यातायात बाधित होने के साथ कई दुर्घटनाएं भी हो चुकी है इसी प्रकार गोंदिया-कोहमारा राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित स्टेट बैंक के सामने भी यही स्थिति देखने को मिल रही है. सड़क किनारे खड़े वाहन दुर्घटनाओं को लगातार न्योता दे रहे हैं. वहीं इसी मार्ग पर स्थित गोंदिया को-ऑपरेटिव बैंक और ग्रामीण बैंक में भी पार्किंग समस्या विकराल होती जा रही है. पार्किंग व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग को ही अस्थायी पार्किंग स्थल बना लिया है. सड़क पर अव्यवस्थित ढंग से खड़े वाहनों के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं, लेकिन बैंक प्रशासन अब तक कोई ठोस कदम उठाता नजर नहीं आ रहा.

यातायात बाधित, 2 ऑटो चालकों पर एफआईआर

गोंदिया-रामनगर थाने के तहत मरारटोली और रेलटोली में सार्वजनिक स्थानों पर आड़े-तिरछे वाहन खड़े कर यातायात बाधित करने वाले दो ऑटो चालकों के खिलाफ कार्रवाई कर मामला दर्ज किया गया है. पहली कार्रवाई मरारटोली के मुख्य मार्ग पर की गई. जहां ग्राम गात्रा निवासी लोकेश शिवराम कुरंजेकर ने ऑटो क्र. एमएच 35-एएच 1760 को मार्ग के बीचोंबीच खड़ा कर दिया था. इससे अन्य वाहन चालकों को परेशानी हो रही थी. इस समस्या को देखते हुए पुलिस ने कार्रवाई की. ऐसी ही दूसरी कार्रवाई रामनगर थाने के तहत रेलटोली परिसर में की गई.

हथियार रखने वाले पर पुलिस ने की कार्रवाई

भंडारा-भंडारा पुलिस स्टेशन अंतर्गत पुलिस ने अवैध रूप से तलवार लेकर लोगों में दहशत फैलाने वाले युवक के खिलाफ कार्रवाई की है. आरोपी विक्की प्रमोद मुटकुरे (19) को पुलिस ने गिरफ्तार किया. बताया गया कि सहायक पुलिस निरीक्षक बोरकर अपने स्टाफ के साथ पेट्रोलिंग कर रहे थे. इसी दौरान आरोपी विक्की मुटकुरे हाथ में अवैध रूप से लोहे की तलवार लेकर सार्वजनिक स्थान पर घूमते हुए लोगों में भय का माहौल पैदा करता दिखाई दिया. आरोपी द्वारा जिला दंडाधिकारी, भंडारा की ओर से जारी अधिसूचना का भी उल्लंघन किया गया. पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक पुरानी जंग लगी लोहे की तलवार बरामद की है. तलवार की कुल लंबाई 86 सेंटीमीटर, मूठ 12 सेंटीमीटर, पाते की लंबाई 84 सेंटीमीटर तथा चौड़ाई 4 सेंटीमीटर बताई गई है. जब्त तलवार की कीमत लगभग 400 रुपये आंकी गई है. आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है.

श्री. गोपालदास रामानंद वर्मा गोंदिया को मौजा रायपूर तहसील व जिल्हा गोंदिया की सरकारी जमीन गट क्र. 158 जिसकी कुल आराजी क्षेत्र 17.74 हेक्टर है। उसमे हेक्टर क्षेत्र के लिए माईनिंग पट्टे की लीज मिली है। इस लिज को चलाने हेतू MOEFCC ने 23/02/2026 को prior Environmental clearance दिया है। The detaile condition for said clearance can be seen by logging Parivesh portal site at parivesh.nic.in

श्री. गोपालदास रामानंद वर्मा

दुर्घटनाग्रस्त ट्रक से ट्रैवल्स बस टकराई1 की मौत 10 जख्मी
गोंदिया कोहमारा मार्ग पर गोरेगांव के समीप घटित हुई दुर्घटना

बुलंद गोंदिया। गोरेगांव शहर के समीप ग्राम जानाटोला पेट्रोल पंप के समीप गोंदिया कोहमारा मार्ग पर दुर्घटनाग्रस्त ट्रक से मंगलवार12 मई की सुबह 5ः30 बजे के दौरान हैदराबाद से गोंदिया की ओर आ रही ट्रैवल्स बस टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई इस हादसे में 01 प्रवासी की मौत हो गई वह 10 जख्मी हुए। प्राप्त जानकारी के अनुसार धान का भुसा लेकर कोहमारा से गोंदिया की ओर आ रहे ट्रक क्रमांक एमएच 40 वाय 4593 के चालक का सोमवार 11 मई की रात 11ः30 बजे के दौरान अचानक वाहन से संतुलन छूट गया वह मार्ग के बीचो बिचगोरेगांव शहर से कुछ ही दूरी पर जानाटोला परिसर पेट्रोल पंप के समीप पलट गया था इस दुर्घटना में ट्रक चालक व कंडक्टर बाल बाल बचे। ट्रक रास्ते के बीचो-बीच पूरी रात पलटा रहा जिस पर पुलिस विभाग द्वारा घटनास्थल पर सुरक्षा की दृष्टि से किसी भी प्रकार के इंतजाम भी नहीं किए गए थे तथा बैरिकेट्स नहीं लगाए गए थे। मंगलवार 12 मई की सुबह 5.30 के दौरान हैदराबाद से गोंदिया की ओर आने वाली ट्रैवल्स बस क्रमांक एमपी 50 झेड 4958 के चालक ने मार्ग में दुर्घटनाग्रस्त ट्रक से बचने का प्रयास किया लेकिन बस की ट्रक के डैशबोर्ड से टकरा जाने के चलते वाहन चालक का नियंत्रण छूट गया वह बस मार्ग से होते मार्ग के किनारे स्थित खेत में जाकर पलट गई। इस हादसे में बस में सवार यात्री फुलेल खिरवार के सिर पर गंभीर रूप से चोट लग जाने से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई तथा जख्मी यात्रियों में हंसराज टोरीलाल नवदाने (43), पंचफुला नौदाने (40), दोघेही रा. चांदीटोला, चेंबूरलाल कलपुरे (34) निवासी भिमोडी, मुनेश्वरी देशमुख (43) लांजी (मध्य प्रदेश), राकेश कांबळे (35), मुनीतल पंचेश्वर (55), बिहारीलाल पंचेश्वर (43) सभी निवासी सिंघारपुरी, रीतू सिंघनकुळे (22), सावित्री पंचीतिलक (29) दोनों भेलवाटोला निवासी व सुखवतीबाई दमाहे इस प्रकार 10 यात्री जख्मी हुये। सभी ज़ख्मियों को गोरेगांव ग्रामीण चिकित्सालय में उपचार के लिए दाखिल कराया गया तथा कुछ गंभीर ज़ख्मियों को गोंदिया के शासकीय चिकित्सालय में रेफर किया गया। उपरोक्त मामले की जानकारी गोरेगांव पुलिस को मिलते ही घटना स्थल पर पहुंचकर आगे की जांच शुरू की।

नगराध्यक्ष सचिन शेंडे का तीसरा जनता दरबार शुक्रवार 15 मई को

बुलंद गोंदिया। गोंदिया शहर के नगराध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने के बाद सचिन गोविंदभाऊ शेंडे ने शहर के नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए जनता दरबार के आयोजन की सुरुवात की है, इसी के अंतर्गत तीसरा जनता दरबार शुक्रवार15 मई को नगरपरिषद के सभागृह आयोजित किया जाएगा। गौरतलब है की गोंदिया शहर के नगराध्यक्ष पद पर सीधा जनता से चुनकर आने वाले नगरध्यक्ष सचिन गोविंदभाऊ शेंडे द्वारा शहर के नागरिकों की समस्याओं को स्वयं जानकर उसका निराकरण करने के लिए जनता दरबार की शुरुआत की है। अब तक दो जनता दरबार का आयोजन नगर परिषद के सभागृह में आयोजन आयोजित किए गए हैं तथा तीसरा जनता दरबार शुक्रवार 15 मई 2026 को आयोजित किया गया है। इस दौरान नगर परिषद के सभी विभागों के अधिकारी व कर्मचारी की उपस्थिति में नागरिकों से प्राप्त समस्याओं का समाधान किया जाएगा 15 मई को दोपहर 12ः00 बजे से 3ः00 बजे तक जनता दरबार आयोजित किया गया है जिसमें अपनी शिकायतों को नागरिक 13 मई 2026 तक कार्यालय समय में उपमुख्यधिकारी के पास लिखित आवेदन के रूप में जमा करें। जनता दरबार में उन्ही नागरिकों की समस्याओ की सुनवाई की जाएंगी जिन्होंने समय के पूर्व अपना आवेदन लिखित में दिया है। अतिक्रमण व बाधंकाम विभाग की समस्या अधिक नगराध्यक्ष सचिन शेंडे द्वारा इसके पूर्व आयोजित दो जनता दरबार में शहर के अतिक्रमण व बाधंकाम विभाग की कार्य प्रणाली को लेकर नागरिकों द्वारा अधिक शिकायते दर्ज करवाई गई है। 133 शिकायत 90 का निराकरण इसके पूर्व दो जनता दरबार के अंतर्गत 133 शिकायतें प्राप्त हुई थी जिसमें पहले दरबार में 53 व दूसरे में 80 जिसमें से 90 शिकायतों का निराकरण कर नागरिकों का समाधान किया गया है।

किसानों की नुकसानग्रस्त फसलो का तत्काल पंचनामा करें-विधायक विनोद अग्रवाल

कृषि अधिकारियों एवं पदाधिकारियों के साथ नुकसानग्रस्त फसलों का किया निरीक्षण

बुलंद गोंदिया। जिले में अचानक बदले मौसम एवं बेमौसम बारिश के कारण रबी सीजन की फसलों को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है, जिससे किसान आर्थिक संकट में फंस गए हैं। किसानों ने भारी मेहनत से रबी फसलों की बुवाई की थी, लेकिन अचानक खराब मौसम के कारण फसलों को भारी नुकसान पहुंचा और उनकी मेहनत व लागत व्यर्थ चली गई। किसान चिंतित होने की जानकारी मिलते ही किसानों की सहायता के लिए हमेशा तत्पर रहने वाले विधायक विनोद अग्रवाल ने तत्काल तुमखेड़ा एवं कारंजा क्षेत्र के नुकसानग्रस्त खेतों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने किसानों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं। अनेक किसानों ने बेमौसम बारिश के कारण फसलों को हुए भारी नुकसान की व्यथा व्यक्त की। इस अवसर पर उपविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, जिला कृषि अधिकारी, तहसील कृषि अधिकारी तथा संबधित तलाठी व कृषी सहाय्यक तथा स्थानीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

नुकसानग्रस्त किसानों को शासन से सहायता प्राप्त हो सके, इसके लिए विधायक विनोद अग्रवाल ने कृषि विभाग को तत्काल पंचनामा कर शासन को रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बेमौसम बारिश के कारण किसानों को भारी नुकसान हुआ है और शासन को नुकसानग्रस्त किसानों को तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान करनी चाहिए,ऐसी मांग भी विधायक विनोद अग्रवाल ने की। इस निरीक्षण दौरे के दौरान प्रमुख रूप से पंचायत समिति सभापति मुनेश रहांगडाले, कृषि एवं पशुसंवर्धन सभापति दिपाताई चंद्रिकापुरे, उपविभागीय अधिकारी चंद्रभान खंडाईत, तहसीलदार समशेर पठान, जिला कृषि अधिकारी निलेश कानवडे, तहसील कृषि अधिकारी नेहा आढव आदि उपस्थित थे।

मार्ग पर हुआ विवाद बीएसएफ जवान ने चलाई गोली एक जख्मी

बुलंद गोंदिया। गोंदिया जिले के तिरोडा शहर के सब्जी मंडी मार्ग पर हुए मामूली विवाद में बीएसएफ जवान ने आक्रोश में आकर रिवाल्वर से फायरिंग कर दी इस हादसे में एक व्यक्ति घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार तिरोडा शहर के सब्जी मंडी मार्ग पर मंगलवार 12 मई की रात कार से जा रहे बीएसएफ जवान का मार्ग पर स्थानीय लोगों से वाद विवाद हो गया देखते देखते विवाद इतना बढ़ गया कि बीएसएफ जवान ने आक्रोश में आकर अपनी कार से पिस्तौल निकाल कर सड़क पर फायरिंग कर दी। फायरिंग होते हैं मार्ग पर खड़े एक व्यक्ति के थोडी पर होते हुए निकल गई जिससे वह व्यक्ति जख्मी हो गया। उल्लेखनीय की इस वारदात में गोली सीधे किसी को नहीं लगी अन्यथा एक बड़ा हादसा घटित हो सकता था। घटना होते ही जख्मी को तत्काल समीप के चिकित्सालय में पहुंचाया गया जहां उसका उपचार किया गया वह उसकी स्थिति सामान्य बताई गई। इस वारदात की जानकारी तिरोडा पुलिस को होते ही घटना स्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू की।

गोंदिया पब्लिक स्कूल की दिव्या इसरका बनीं साइंस टॉपर

गोंदिया-गोंदिया पब्लिक स्कूल ने सीबीएसई 12वीं बोर्ड परीक्षा 2025-26 के परिणामों में विद्यालय के विज्ञान संकाय के 99 विद्यार्थियों ने शानदार सफलता प्राप्त कर न केवल संस्था का गौरव बढ़ाया, बल्कि उत्कृष्टता की नई परिभाषा भी गढ़ दी. इनमें से 45 से अधिक विद्यार्थियों ने डिस्टिंक्शन प्राप्त की. दिव्या इसरका ने 93.4 प्रश. अंक अर्जित कर सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया. सावली वैद्य ने 93.2 प्रश, शौर्य अग्रवाल ने 92.8 प्रश, गुरलीन कौर ने 92.6 प्रश, मुकुल पटले व सैफ शेख ने 92 प्रश, चिंतन भसारी ने 91.8 प्रश, मुस्कान रहांगडाले ने 91.4 प्रश, हर्षित सूर्यवंशी ने 91.2 प्रतिशत, पार्थ पिपरेवार ने 90.2 प्रतिशत तथा आंचल कुमारी ने 89 प्रतिशत अंक प्राप्त किया. विशेष रूप से जीव विज्ञान विषय में मुस्कान रहांगडाले ने शत प्रतिशत अंक प्राप्त की.

गोंदिया जिले की ऐतिहासिक उपलब्धि
प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लगातार चौथी बार राज्य में प्रथम स्थान पर

बुलंद गोंदिया। गोंदिया जिले ने एक बार फिर प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीणके तहत अपनी अमिट छाप छोड़ी है।इस योजना में ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को उनके हक का घर दिलाने के लिए समर्पित है। महा आवास अभियान 2023-24 (बृहद आवास अभियान) के तहत घोषित राज्य-स्तरीय पुरस्कारों में, गोंदिया जिले ने पूरे महाराष्ट्र राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, जिससे उसकी उपलब्धियों में एक और गौरवशाली अध्याय जुड़ गया है। विशेष रूप से, यह लगातार चौथी बार है जब गोंदिया जिले ने इस योजना में राज्य में शीर्ष स्थान प्राप्त करने का गौरव हासिल किया है, और इस प्रकार उसने अपनी उत्कृष्टता की परंपरा को सफलतापूर्वक कायम रखा है। इस शानदार के लिए, 15 मई 2026 को सुबह 11.30 बजे सतारा के सैनिक स्कूल में एक भव्य राज्य-स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया है। यह समारोह भारत के केंद्रीय ग्रामीण विकास, कृषि और किसान कल्याण मंत्री के हाथों से, और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न होगा। इस कार्यक्रम के दौरान, गोंदिया जिले को प्रथम स्थान पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। जिले के लिए यह सफलता सुनिश्चित करने में जिला परिषद प्रशासन और ग्रामीण विकास एजेंसी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राज्य सरकार के ग्रामीण विकास विभाग ने इस पुरस्कार समारोह में शामिल होने के लिए जिला परिषद अध्यक्ष, मुख्य कार्यकारी अधिकारी और परियोजना निदेशक (जिला ग्रामीण विकास एजेंसी) को आमंत्रित किया है। इसके अतिरिक्त, उन अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं, जो इस अभियान के कार्यान्वयन के दौरान सक्रिय रूप से कार्यरत थे।

जहाँ एक ओर गोंदिया ने जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं नागपुर संभाग ने भी संभागीय स्तर पर अपनी महत्वपूर्ण छाप छोड़ी। प्रधानमंत्री आवास योजना में, नागपुर संभाग ने राज्य में तीसरा स्थान प्राप्त किया-जो कोंकण और नासिक संभागों के बाद आता है,जबकि राज्य-प्रायोजित आवास योजना में, नागपुर संभाग राज्य में शीर्ष स्थान पर रहा। लगातार चौथे वर्ष हासिल की गई इस ऐतिहासिक सफलता के कारण, गोंदिया जिले का नाम पूरे राज्य में गूंज रहा है, और इस शानदार प्रदर्शन के लिए प्रशासनिक हलकों तथा समाज के सभी वर्गों से सराहना मिल रही है। यह तथ्य कि गोंदिया जिले ने 'प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण' के तहत लगातार चौथी बार राज्य में पहला स्थान हासिल किया है, पूरे जिले के लिए अत्यंत गर्व और ऐतिहासिक महत्व का विषय है। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले प्रत्येक ज़रूरतमंद परिवार को अपना एक सुरक्षित घर मिले; इस संकल्प को हकीकत में बदलने के लिए, ज़िला परिषद प्रशासन, ग्राम पंचायतों, ग्रामीण विकास एजेंसी, साथ ही ज़मीनी स्तर के अधिकारियों और कर्मचारियों ने असाधारण समर्पण के साथ काम किया है। यह पूरी तरह से उनके अथक प्रयासों का ही परिणाम है कि गोंदिया जिले ने राज्य के भीतर अपनी एक अलग पहचान बनाई है।

'महा आवास अभियान 2023-24' के दौरान हमें जो सम्मान मिला है, वह केवल एक पुरस्कार नहीं है, बल्कि ग्रामीण विकास की दिशा में गोंदिया जिले द्वारा किए गए प्रभावशाली कार्यों की राज्य-स्तरीय पुष्टि है। महत्वपूर्ण बात यह है कि लगातार चौथे वर्ष राज्य में शीर्ष स्थान हासिल करने के साथ-साथ एक बड़ी ज़िम्मेदारी भी आती है; हम सफलता की इस परंपरा को बनाए रखने के लिए भविष्य में और भी अधिक जोश के साथ काम करने का संकल्प लेते हैं।

इस सफलता का श्रेय मुख्य रूप से लाभार्थियों द्वारा जताए गए विश्वास, जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गए सहयोग और प्रशासन द्वारा प्रदर्शित कार्यकुशलता को जाता है। गोंदिया जिले की ओर से, मैं उन सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों को हार्दिक बधाई और आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने इस अभियान में अपना योगदान दिया है।

लायकराम भेन्डारकर, अध्यक्ष, ज़िला परिषद, गोंदिया

तेंदूपत्ता संकलन के लिए गई महिला पर बाघ ने किया हमला महिला गंभीर जख्मी

बुलंद गोंदिया। गोंदिया जिले के अर्जुनी मोरगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम बोंडगांव/सुर परिसर के जंगल में 9 मई की सुबह 6ः00 के दौरान तेंदू पत्ता संकलन के लिए बोंडगांव/सुर निवासी सुनीता चंद्रकुमार हटवार उम्र 47 वर्ष नामक महिला पर बाघ ने हमला कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। गौरतलब है की गोंदिया जिले के जंगलों में ग्रीष्मकल में बड़े पैमाने पर तेंदूपत्ता संकलन का कार्य किया जाता है जिससे ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों का रोजगार प्राप्त होता है। इसी तेंदूपत्ता संकलन कार्य के दौरान अर्जुनी मोरगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले बोंडगांव/सुर परिसर के जंगल में बोंडगांव/सुर निवासी महिला सुनीता हटवार अपनी अन्य महिला साथियों के साथ तेंदूपत्ता संकलन के लिए शनिवार 9 मई की सुबह 6ः00 बजे के दौरान गई हुई व तेंदू संकलन का कार्य सुरु किया। इस दौरान झुडपी जंगल में छुपे बाघ ने महिला पर अचानक हमला कर दिया बाघ का हमला होते ही महिला द्वारा जोर से चिल्लाने के साथ ही अपने अन्य साथियों को आवाज लगाइ जिस पर साथी महिलाओं द्वारा हिम्मत दिखाते हुए जोर-जोर से शोर मचाना शुरू किया। उन सभी के जोर जोर से शोर मचाने पर बाघ डरकर जंगल की दूसरी ओर भाग गया किंतु इस हमले में सुनीता हटवार के हाथ पीठ व पैर पर बाघ द्वारा हमला कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। बाघ के जंगल की दूसरी ओर भाग जाने के पश्चात जख्मी महिला को जंगल से निकालकर अर्जुनी मोरगांव के ग्रामीण चिकित्सालय में उपचार के लिए ले जाया गया जहां चिकित्सकों द्वारा महिला का उपचार शुरू कर उसके स्वास्थ्य पर निगरानी की जा रही है। घटना के पश्चात इसकी जानकारी वन विभाग की अधिकारियों को दी गई जानकारी प्राप्त होने के पश्चात वन विभाग के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचकर आसपास के परिसर का निरीक्षण कर नागरिकों से जंगल में अकेले जाने की मनाई करने के साथ ही समूह में जाने की सलाह दी है। आस पास के जंगलों में बाघ का मुक्त विचरण अर्जुनी मोरगांव तहसील के बोंडगांव ग्राम के आसपास के जंगल परिसर में बाघ का मुक्त विचरण गत काफी समय से हो रहा है जिसके चलते नागरिकों में भय का वातावरण निर्माण हो गया है वर्तमान समय में तेंदूपत्ता संकलन का कार्य शुरू होने के चलते संकलन के लिए जाने वाले महिला व पुरुषों में डर निर्माण हो रहा है। वन विभाग से गस्त लगाने की मांग ग्राम से लगे जंगल परिसर में वन्यजीवों का मुक्त विचरण होने के चलते ग्रामीणों में डर का निर्माण हो रहा है जिस परिसर के नागरिकों द्वारा वन विभाग से मांग की विभाग के कर्मचारियों द्वारा परिसर में गस्त बढ़ाई जाए। आर्थिक मुआवजे की मांग जख्मी महिला के लिए ग्रामीणों द्वारा वन विभाग से तत्काल आर्थिक मुआवजे की मांग की।

स्पार्किंग से 10 हेक्टेयर का चारा जलकर खाक

गोरेगांव-तहसील के कालीमाटी में बिजली के तारों में स्पार्किंग के कारण तनस के ढेर में भीषण आग लग गई. इस आग में रामभाऊ तुलसीराम ब्राह्मणकर, केशोराव हीरामन ब्राह्मणकर और ईश्वर हीरामन ब्राह्मणकर, संजय हीरामन ब्राह्मणकर के करीब 10 हेक्टेयर क्षेत्र के तनस के ढेर में आग लग गई. ग्रामीणों के अनुसार, दुर्घटना महावितरण की लापरवाही के कारण हुई है. शाम को अचानक मौसम बदला और तेज हवाएं चलने लगीं. इसी दौरान बिजली के तार एक-दूसरे से छू गए, जिससे जोरदार स्पार्किंग हुई और तनस के ढेर में आग लग गई. आग लगने की सूचना जैसे ही गांव के लोगों को मिली तो वे मौके पर पहुंचे. ग्रामीणों ने पानी, मिट्टी व अन्य सामग्री की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया. इस बीच राजाभाऊ कटरे ने भाजपा जिला महासचिव फणींद्र पटले से संपर्क किया और फायर ब्रिगेड को बुलाया. ग्रामीणों की मदद से अग्निशमन कर्मियों ने तीन घंटे के बाद आग पर काबू पाया. क्षेत्र के नागरिकों ने महावितरण प्रबंधन पर आक्रोश व्यक्त करते हुए पुरानी व ढीली बिजली लाइनों को दुरुस्त करने की मांग की है. साथ ही ग्रामीणों ने मांग की है कि कृषि विभाग और राजस्व प्रशासन घटना स्थल पर जाकर पंचनामा करे और सरकार प्रभावित किसान परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता और मुआवजा दे.

शादी समारोह में लाठी से हमला कर किया घायल

गोंदिया-गंगाझरी थाने के तहत एकोड़ी निवासी हीरालाल पुरीचंद रिनाईत (55) शादी समारोह में पापड़ निकाल रहा था. इसी बीच आरोपी राजेश लहु अंबुले (26) ने पापड़ खाने के लिए लिया, इसलिए हीरालाल ने मैं पापड़ टेबल पर रखता हूं फिर खा, ऐसा कहा. जिस पर आरोपी ने उसके साथ गालीगलौज कर विवाद किया. साथ ही सेंटिंग की पट्टी व लाठी से सिर पर प्रहार कर उसे घायल कर दिया. गंगाझरी पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।